



NEERAJ®

M.E.D.-8

भूमण्डलीकरण एवं पर्यावरण

(Globalization and Environment)

Chapter Wise Reference Book
Including Many Solved Sample Papers

Based on

I.G.N.O.U.

& Various Central, State & Other Open Universities

By: Vaishali Gupta



**NEERAJ
PUBLICATIONS**

(Publishers of Educational Books)

Mob.: 8510009872, 8510009878 E-mail: info@neerajbooks.com

Website: www.neerajbooks.com

MRP ₹ 280/-

Content

भूमण्डलीकरण एवं पर्यावरण (Globalization and Environment)

Question Paper—June-2024 (Solved)	1-2
Question Paper—December-2023 (Solved)	1-3
Question Paper—June-2023 (Solved)	1-2
Question Paper—December-2022 (Solved)	1-2
Question Paper—Exam Held in March-2022 (Solved)	1-2
Question Paper—Exam Held in August-2021 (Solved)	1-2
Question Paper—Exam Held in February-2021 (Solved)	1-2
Question Paper—December, 2019 (Solved)	1-3
Question Paper—June, 2019 (Solved)	1-2
Question Paper—December, 2018 (Solved)	1
Question Paper—June, 2018 (Solved)	1-2
Question Paper—December, 2017 (Solved)	1
Question Paper—June, 2017 (Solved)	1

<i>S.No.</i>	<i>Chapterwise Reference Book</i>	<i>Page</i>
1.	भूमण्डलीकरण के पर्यावरणीय आयाम (Environmental Dimensions of Globalization)	1
2.	पर्यावरणीय संकट (Environmental Calamities)	8
3.	मानवकृत आपदाएँ (Man-made Disasters)	22
4.	बहुराष्ट्रीय निगम, पारदेशीय निगम एवं विकासशील देश (MNCs, TNCs and Developing Countries)	30
5.	विश्व पर्यावरण सम्मेलन और घोषणाएँ (Global Environmental Summits and Declarations)	35

S.No.	Chapterwise Reference Book	Page
6.	अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण नियम तथा समझौते (International Environmental Laws and Agreements)	45
7.	संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों की भूमिका (Role of the UN Agencies)	50
8.	बहुपक्षीय परिप्रेक्ष्य में पर्यावरण (Environment in Multilateral Perspective)	61
9.	पर्यावरण संबंधित विषयों पर दक्षिण एशिया की प्रतिक्रिया (South Asian Response to Environmental Concerns)	67
10.	गैर-सरकारी एजेंसियों की पहल (Non-Governmental Agencies Initiatives)	75
11.	जन प्रयास (People's Initiatives)	81
12.	केस अध्ययन और विकल्प (Case Studies and Alternatives)	91
13.	जैव-विविधता : समस्याएँ और संभावनाएँ (Biodiversity: Problems and Prospects)	96
14.	सतत मानव विकास : आजीविका, स्वास्थ्य और शिक्षा तथा मुद्दे (Sustainable Human Development: Issues and Livelihood, Health and Education)	105
15.	हरित व्यापार : वैश्विक और स्थानीय स्तर पर (Greening of Business: Global and Local)	109
16.	पर्यावरण स्वच्छ रखने का अधिकार (Right to Clean Environment)	114



**Sample Preview
of the
Solved
Sample Question
Papers**

Published by:



**NEERAJ
PUBLICATIONS**

www.neerajbooks.com

QUESTION PAPER

June – 2024

(Solved)

भूमंडलीकरण एवं पर्यावरण
(Globalization and Environment)

M.E.D.-8

समय : 2 घण्टे |

| अधिकतम अंक : 50

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(क) ग्रीनहाउस प्रभाव की व्याख्या कीजिए। ग्रीनहाउस गैसों पर्यावरण को कैसे प्रभावित करती हैं?

उत्तर—संदर्भ—देखें—अध्याय-3, पृष्ठ-25, प्रश्न 4 तथा पृष्ठ-26, प्रश्न 6

(ख) TRIPS (व्यापार संबंधी बौद्धिक सम्पदा अधिकार) के उद्देश्य की व्याख्या कीजिए। TRIPS की दो मुख्य श्रेणियाँ क्या हैं? उन्हें संक्षेप में समझाइए।

उत्तर—संदर्भ—देखें—अध्याय-5, पृष्ठ-41, प्रश्न 6

(ग) दक्षिण एशियाई देशों की पर्यावरणीय संबंधी चिंताओं को संक्षेप में समझाइए।

उत्तर—संदर्भ—देखें—अध्याय-9, पृष्ठ-68, 'दक्षिण एशिया के पर्यावरण मुद्दे प्रतिक्रिया'

(घ) जैव विविधता संरक्षण की आवश्यकता की व्याख्या कीजिए। कौन-सा अभिसमय (convention) इससे संबंधित है? इस अभिसमय के श्रष्ट क्षेत्र बताइए।

उत्तर—संदर्भ—देखें—अध्याय-13, पृष्ठ-96, 'जैव विविधता का अर्थ', 'संरक्षण और बचाव की जरूरत', अध्याय-5, पृष्ठ-37, 'जैव विविधता पर सम्मेलन'

(ङ) ज्वालामुखी क्या है? इसके विभिन्न प्रकारों को संक्षेप में समझाइए।

उत्तर—संदर्भ—देखें—अध्याय-2, पृष्ठ-10, 'ज्वालामुखी'

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(क) संयुक्त राष्ट्र के किन्हीं दो प्रमुख अंगों की भूमिका की संक्षेप में चर्चा कीजिए।

उत्तर—संदर्भ—देखें—अध्याय-5, पृष्ठ-40, प्रश्न 1

(ख) अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय कानून के किन्हीं पाँच सिद्धांतों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

उत्तर—संदर्भ—देखें—अध्याय-6, पृष्ठ-48, प्रश्न 1

(ग) गैर-सरकारी संगठनों को परिभाषित कीजिए और उनकी उत्पत्ति की व्याख्या कीजिए।

उत्तर—संदर्भ—देखें—अध्याय-10, पृष्ठ-75, 'गैर-सरकारी संगठनों की उत्पत्ति', 'ढाँचा तथा विचारधारा की परिभाषा'

(घ) चर्चा कीजिए कि भारत में 'बीज आत्महत्याओं' का भूमण्डलीकरण से क्या संबंध था।

उत्तर—संदर्भ—देखें—अध्याय-12, पृष्ठ-92, 'बीज हत्याएं (भारत)'

(ङ) विषैले अवशिष्ट क्या हैं? उदाहरण दीजिए। विषैले या खतरनाक अवशिष्ट से संबंधित किसी एक सम्मेलन का उल्लेख कीजिए। ऐसे अवशिष्ट का निपटान कैसे किया जाता है?

उत्तर—संदर्भ—देखें—अध्याय-3, पृष्ठ-22, 'विषैले व्यर्थ पदार्थ', 'विषैले पदार्थों के निपटान की व्याख्या'

इसे भी देखें—विषाक्त अपशिष्ट के निपटान के प्रबन्धन का सबसे उपयुक्त उपाय यह है कि जैविक, अजैविक तथा विषैले अपशिष्टों को पृथक करके उसके निपटान हेतु ऐसी कंपनियों या संगठनों की मदद ली जाए जो साफ-सुथरी औद्योगिकी तकनीकों के आधार पर वातावरण-मैत्री नीतियों से इनका निपटान कर सकें।

(च) औद्योगिक दुर्घटनाओं के मामले में शामिल औद्योगिक प्रक्रिया और उत्पादन तकनीकों से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों की सूची बनाइए।

उत्तर—संदर्भ—देखें—अध्याय-3, पृष्ठ-23, 'औद्योगिक दुर्घटनाएँ' तथा पृष्ठ-25, प्रश्न 3

QUESTION PAPER

December – 2023

(Solved)

भूमंडलीकरण एवं पर्यावरण
(Globalization and Environment)

M.E.D.-8

समय : 2 घण्टे |

| अधिकतम अंक : 50

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. (क) विश्व व्यापार संगठन द्वारा प्रस्तावित पर्यावरण मानकों के प्रति विकासशील देशों की प्रतिक्रिया पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-1, पृष्ठ-2, 'पर्यावरणीय मानक' तथा पृष्ठ-3, प्रश्न 2

(ख) जी.ई.एफ. क्या है? जी.ई.एफ. द्वारा पहचान किए गए चार कार्यक्षेत्रों का उल्लेख कीजिए। जी.ई.एफ. द्वारा समर्थित कार्यक्षेत्रों की सूची बनाइए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-5, पृष्ठ-39, 'वैश्विक पर्यावरण सुविधा'

प्रश्न 2. (क) पर्यावरणीय मुद्दों के संदर्भ में ब्रेटन वुड्स संस्थाओं (विश्व बैंक और आई.एम.एफ.) की भूमिका पर चर्चा कीजिए। ब्रेटन वुड्स की चुनौतियों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-7, पृष्ठ-52, 'ब्रेटन वुड्स इंस्टीट्यूशन' तथा पृष्ठ-54, प्रश्न 4

(ख) अच्छी पर्यावरणीय प्रौद्योगिकियों को परिभाषित कीजिए। अच्छी पर्यावरणीय प्रौद्योगिकियों की किन्हीं चार विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। कार्यसूची (Agenda) 21 के अनुसार अच्छी पर्यावरणीय प्रौद्योगिकियों की परिभाषा में शामिल अतिरिक्त बिन्दुओं की सूची बनाइए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-15, पृष्ठ-109, 'पर्यावरण की दृष्टि से ध्वनि प्रौद्योगिकियों की विशेषताएँ (ई.एस.टी.)' तथा पृष्ठ-110, ई.एस.टी. पर प्रभाव डालने वाली शर्तें'

प्रश्न 3. (क) भारत में पर्यावरणीय मुद्दों से संबंधित किन्हीं चार आन्दोलनों की सूची बनाइए। स्वाध्याय आंदोलन के महत्त्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-11, पृष्ठ-86, प्रश्न 3, पृष्ठ-87, प्रश्न 4 तथा पृष्ठ-82, 'स्वाध्याय आंदोलन'

(ख) विकासशील देशों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में विस्तार से बताइए। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए वैश्वीकरण की भूमिका पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-11, पृष्ठ-82, 'भारतीय परिदृश्य एवं संचालन' तथा अध्याय-12, पृष्ठ-91, 'भूमंडलीकरण के निहितार्थ/प्रभाव'

प्रश्न 4. (क) औद्योगिक प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए विश्व बैंक द्वारा की गई पहलों की चर्चा कीजिए। प्रदूषण से संबंधित किन्हीं दो अभिसमयों (Conventions) के नाम लिखिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-7, पृष्ठ-53, 'विश्व बैंक का पर्यावरण एजेंडा' तथा पृष्ठ-56, प्रश्न 4, विश्व बैंक

औद्योगिक प्रदूषण के नियंत्रण में विश्व बैंक की भूमिका-

1. पर्यावरण संरक्षण के संदर्भ में वित्तीय सहायता।
2. विभिन्न औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रक समूहों को सहयोग देना।
3. वन-संरक्षण एवं जैव विविधता के लिए प्रोत्साहन देना आदि।

(ख) सरदार सरोवर परियोजना और नर्मदा बचाओ आंदोलन के मामलों को लेकर गैर-सरकारी संगठनों और सामाजिक-राजनीतिक आन्दोलनों के बीच टकराव पर चर्चा कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-11, पृष्ठ-83, 'नर्मदा बचाओ आंदोलन' तथा पृष्ठ-88, मेधा पाटकर का आंदोलन' तथा पृष्ठ-89, 'बाबा ऑमटे का नेतृत्व' तथा अध्याय-10, पृष्ठ-77, 'गैर-सरकारी संगठन बनाम सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन'

प्रश्न 5. (क) जैव विविधता के संरक्षण की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए। जैव विविधता के संरक्षण से संबंधित किन्हीं तीन अभिसमयों की सूची बनाइए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-13, पृष्ठ-96, 'जैव विविधता का अर्थ, संरक्षण और बचाव की जरूरत' तथा अध्याय-5, पृष्ठ-37, 'जैव विविधता सम्मेलन'

Sample Preview of The Chapter

Published by:



**NEERAJ
PUBLICATIONS**

www.neerajbooks.com

भूमण्डलीकरण तथा पर्यावरण (Globalization and Environment)

भूमण्डलीकरण के पर्यावरणीय आयाम (Environmental Dimensions of Globalization)



परिचय

भूमण्डलीकरण ने पर्यावरण आयामों का समाकलन कर पिछले कुछ दशकों में काफी ख्याति प्राप्त की है। भूमण्डलीकरण ने सामाजिक, सांस्कृतिक, प्रौद्योगिक तथा वित्तीय परिभाषाओं को नई दिशा प्रदान की है। इसने पर्यावरण तथा विकास मुद्दों को स्पष्ट किया, जिसमें मानव जरूरतों की पूर्ति के साथ-साथ पर्यावरण की क्षमता को ध्यान में रखकर आर्थिक विकास को संभव बनाया गया है। पर्यावरण तथा विकास के मध्य संबंध सामाजिक वातावरण का मुख्य अंग है। भूमण्डलीकरण का प्रभाव विश्व में जैव-विविधता में कमी की समस्या के रूप में दिखाई देता है। भूमण्डलीकरण के दौरान ही सतत विकास की अवधारणा का जन्म हुआ। सतत विकास की अवधारणा में दो बातों का समावेश है- (i) विकास का अधिकार, (ii) पर्यावरण की सततशीलता की जरूरत। यह अवधारणा विकास तथा पर्यावरण संरक्षण के मध्य संतुलन बनाती है, जिसमें विकास प्रक्रिया के दौरान पर्यावरण की सुरक्षा का ध्यान रखा जाता है।

इस अध्याय में हम भूमण्डलीकरण तथा उसके बदलते हुए रूप, विश्व पर्यावरण तथा उसमें हस्तक्षेप और सतत विकास की भूमिका के विषय में अध्ययन करेंगे।

अध्याय का विहंगावलोकन

भूमण्डलीकरण की बदलती प्रकृति

भूमण्डलीकरण ने अर्थव्यवस्था में व्यापार, प्रौद्योगिकी तथा वित्त व्यवस्था को परिभाषित किया है। इसने अर्थव्यवस्थाओं के मध्य वस्तुओं के प्रवाह को गति प्रदान की है। भूमण्डलीकरण के

आर्थिक विकास का आरम्भ 1980 से हुआ और तेजी से व्यापार की गति, निवेश, सेवा क्षेत्र में अपार वृद्धि हुई। भूमण्डलीकरण प्रौद्योगिकी, व्यापार तथा वित्त पूँजी के संगम के रूप में देखा जा सकता है।

प्रौद्योगिकी की भूमिका

प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण परिवर्तन ही भूमण्डलीकरण का मुख्य धारक है। भूमण्डलीकरण से पहले व्यापार तथा प्रौद्योगिकी का क्षेत्र सीमित था, इसीलिए वस्तुओं तथा सेवाओं का मूल्य अधिक था। इसके विपरीत प्रौद्योगिकी ने उद्योगों के ढाँचे को पूरी तरह से बदलकर रख दिया। इसने उन सभी वस्तुओं व सेवाओं की कायापलट कर दी जो उपभोक्ताओं को सुलभ करायी जाती हैं। उदाहरण के लिए, 1930 में न्यूयार्क से लंदन को जाने वाली तीन मिनट की फोन कॉल का खर्च, 245 डॉलर था जबकि 1990 में केवल 3 डॉलर हो गया।

व्यापार की भूमिका

1990 के बाद से विश्व व्यापार में बहुत तेजी से परिवर्तन हुए हैं। पूँजी तथा कोष प्रवाह में वृद्धि विश्व व्यापार में वृद्धि से तेज रही है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति ने निवेश को बढ़ा दिया विकसित देश बड़ी मात्रा में अल्पविकसित देशों में निवेश करते हैं। 2004 में चीन ने भारत की तुलना में 12 गुना अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त किया। भारत में निवेश करने वाले देश यू.ए.स.ए. मॉरीशस, जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया आदि शामिल हुए।

वित्तीय पूँजी की भूमिका

वित्तीय बाजार में तेजी से वृद्धि तथा प्रगति ने भूमण्डलीकरण को जन्म दिया है। यू.ए.स.ए., यू.के. जैसे बड़े-बड़े विकसित देश

2 / NEERAJ : भूमण्डलीकरण तथा पर्यावरण

भारत तथा चीन जैसे अल्पविकसित देशों में निवेश करने के लिए उत्सुक रहते हैं। इसीलिए 1991 में भारतीय प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीतियों में लचीलापन लाया गया है। इस प्रकार 1980 से विदेशी सहायता तथा निवेश में लगातार वृद्धि हो रही है।

भूमण्डलीय जलवायु परिवर्तन

आर्थिक भूमण्डलीकरण के साथ पर्यावरण के संबंध को जानना जरूरी है। हजारों वर्षों से चले आ रहे मौसमीय व्यवहार में परिवर्तन से भूमण्डल में परिवर्तन आना एक लम्बी प्रक्रिया है। यह परिवर्तन मौसमी दशाओं के परिवर्तन के रूप में या मौसम के विभिन्न रूपों में हो सकता है। उदाहरण के लिए बहुत अधिक या बहुत कम तापमान होना। विभिन्न प्रकार की गैसों का असर पृथ्वी के मौसम तथा जलवायु पर पड़ता है, जिससे वातावरण में कई प्रकार के बदलाव पैदा होते हैं तथा ये बदलाव बहुत-सी बीमारियों का कारण बनते हैं।

भूमण्डलीकरण एवं पर्यावरण

भूमण्डलीकरण ने अर्थव्यवस्थाओं की गतिविधियों का अन्तर्राष्ट्रीयकरण किया, मुख्य रूप से यू.एस.ए. तथा यू.के. ने 1980 से भारतीय बाजारों में सहायता करने में विशेष रुचि दिखाई। भूमण्डलीकरण से उत्पादों की माँग तथा पूर्ति विश्व स्तर पर बढ़ी जिसके कारण उत्पादकता को बढ़ाने के लिए बहुत-सी नई तकनीकों को अपनाया गया। परिणामस्वरूप पर्यावरण को भारी क्षति उठानी पड़ी। इसके कारण प्राकृतिक संसाधनों का दोहन निर्दयता से हुआ तथा पर्यावरण की स्वच्छता को बलि चढ़ना पड़ा।

मुक्त व्यापार एवं पर्यावरण

भूमण्डलीकरण विश्व स्तर पर मुक्त व्यापार पर जोर देता है, विश्व वित्तीय तथा व्यापार संगठनों के दबाव के कारण बहुत से देशों को अपनी अर्थव्यवस्थाओं को उदार करना पड़ता है। किन्तु यहाँ बहुत से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष कारक हैं जो पर्यावरण को प्रभावित कर रहे हैं। उत्पादों के भूमण्डलीकरण तथा अधिक निवेश पर जोर देने के कारण अधिक उत्पादकता वाली तकनीकों को अपनाया जा रहा है, जो पर्यावरण के हित में नहीं हैं।

व्यापार तथा पर्यावरण की शर्तें

यदि हम पर्यावरणीय स्तर पर देखें तो इस पर व्यापार उदारीकरण के नकारात्मक या सकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं। किन्तु जो प्रत्यक्ष रूप से व्यापार के प्रभाव पर्यावरण पर पड़े हैं, वे बहुत ही खतरनाक हैं। 1987 में ब्रण्टलैण्ड रिपोर्ट में पर्यावरण तथा विकास पर विश्व कमीशन (WCED) ने विश्व को यह चेतावनी दी थी कि आपसी अर्थव्यवस्थाओं के विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों व पर्यावरण को कोई हानि न पहुँचाएँ। कमीशन ने बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं को मानव पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधनों में लगातार होती गिरावट के विषय में तथा इसके अर्थव्यवस्थाओं व सामाजिक विकास पर पड़ने वाले अंतिम परिणाम के विषय में भी

सूचित किया था। ब्रण्टलैण्ड रिपोर्ट का प्रमुख उद्देश्य विश्व समता को बनाए रखना तथा गरीब देशों की अर्थव्यवस्थाओं को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से प्राकृतिक संसाधनों का फिर से वितरण करना था। रिपोर्ट में यह प्रस्ताव भी रखा गया कि समय वृद्धि तथा पर्यावरण रख-रखाव साथ-साथ संभव है तथा प्रत्येक अर्थव्यवस्था अपनी आर्थिक शक्ति के साथ-साथ अपने संसाधनों को बढ़ाने में भी समर्थ है। यहाँ बहुत से तथ्य जिनसे पता चलता है कि औद्योगिक सभ्यता द्वारा इस फैले हुए पर्यावरण को हानि पहुँचायी जा रही है।

पर्यावरणीय मानक

विश्व व्यापार संगठन (WTO) ने ऐसा आधार तैयार किया जिसमें सदस्यों के मध्य व्यापारिक संबंध सामूहिक वाद-विवाद, बातचीत तथा कानूनी तौर पर बने। विश्व व्यापार संगठन के कार्यों का मुख्य केन्द्र बिन्दु है उरुग्वे राऊंड फाइनल सामूहिक एक्ट के अन्तर्गत नियंत्रित करना जिसमें नेताओं ने व्यापार तथा पर्यावरण के आधार पर निर्णय लिया, जिसके लिए व्यापार तथा पर्यावरण पर कमेटी की स्थापना की गई तथा इसकी कार्यनीति को तय किया गया। यहाँ जरूरत है अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार तथा भूमण्डलीय पर्यावरण कानूनों व संधियों को विकसित और अल्पविकसित देशों के संदर्भ में पुनः विचार करने की।

भूमण्डलीय पर्यावरणीय कार्यनीतियाँ

भूमण्डलीकरण तथा सतत विकास—भूमण्डलीकरण का मुख्य आधार अर्थव्यवस्था तथा सामाजिक विकास है। सतत विकास एक ऐसी अवधारणा है जिसमें इस बात पर जोर दिया जाता है कि वर्तमान पीढ़ी की जरूरतें पूरी हों। किन्तु भविष्य में आने वाली पीढ़ियों की जरूरतों को भी ध्यान में रखा जाये। इस परिभाषा के अन्तर्गत विकास केवल अर्थव्यवस्था की वृद्धि तक में सीमित नहीं है, इसकी सीमाओं में पर्यावरण को सुरक्षित रखना तथा प्रत्येक व्यक्ति के जीवन स्तर को सुधारने व ऊपर उठाने के उद्देश्य से धन व संसाधनों का समान वितरण करना भी शामिल है। सतत विकास की अवधारणा का जन्म 1987 में ब्रण्टलैण्ड रिपोर्ट में पहली बार हुआ। यह अवधारणा विकास तथा पर्यावरण के मध्य कड़ी पर जोर देती है तथा पर्यावरण से संबंधित समस्याओं से निपटने के लिए स्थानीय स्तर पर, राजकीय स्तर पर विश्व स्तर पर राजनीतिक आर्थिक व्यवस्था में बदलाव पर जोर देती है। सतत विकास निम्न संबंधों की ओर संकेत करता है—

(क) संसाधनों के उपयोग, जनसंख्या, तकनीकी, खाद्य-संसाधनों, वृद्धि तथा तकनीकी विकास के मध्य संबंध।

(ख) विकसित तथा अल्पविकसित देशों के मध्य शक्ति एवं उद्योगों की उत्पादकता का वितरण।

(ग) गरीब व अमीर देशों के मध्य की खाई का निस्तारण।

(घ) पर्यावरणीय क्षति तथा पारिस्थितिकी संकट।

भूमण्डलीकरण के दौरान पूरे विश्व में विकास प्रक्रिया को अपनाया गया ताकि उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्द्धा का सामना कर सकें। इसके लिए असततशील प्रक्रियाओं को अपनाया गया। आर्थिक भूमण्डलीकरण की वर्तमान अवस्था के मुख्य आयाम हैं— राष्ट्रीय आर्थिक बाधाओं को तोड़ना, व्यापार का अंतर्राष्ट्रीयकरण, वित्तीय एवं उत्पादकता प्रक्रियाएं तथा निगमों में परिवर्तन व अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संगठनों की बढ़ती हुई शक्ति। दूसरी तरफ भूमण्डलीकरण के सामाजिक आयाम से तात्पर्य है—भूमण्डलीकरण का मानव जीवन व कार्य, उनके परिवार व उनके समाजों पर पड़ने वाला प्रभाव। भूमण्डलीकरण तथा बड़े स्तर पर पारिस्थितिक विघटन जीवित प्राणियों के आस-पास का वातावरण ही उसका पर्यावरण कहलाता है। पर्यावरण में रोशनी, तापमान, पानी, मिट्टी तथा अन्य जीवित पेड़-पौधे व प्राणी शामिल हैं। यह एक-दूसरे पर आधारित व्यवस्था भौतिक पर्यावरण एवं जीवित प्राणियों द्वारा स्थापित की जाती है। जीव-जन्तुओं का एक दूसरे के साथ व पर्यावरण के साथ संबंध के अध्ययन को 'इकोलॉजी' कहा जाता है। पारस्परिक संबंध तथा पारस्परिक क्रिया के परिणामस्वरूप ही उत्पत्ति होती है। इस प्रकार एक प्राकृतिक प्रक्रिया की स्थापना होती है, जिसमें उत्पत्ति व समाप्ति की प्रक्रिया चलती रहती है। इसे पारिस्थितिकी तंत्र कहा जाता है। पारिस्थितिकी तंत्र के उच्च स्तर पर विघटन का कारण जलवायु परिवर्तन एवं पारिस्थितिकी तंत्र की क्षति है। भूमण्डलीकरण की वर्तमान अवस्था का प्रभाव बड़े स्तर पर खेती पर पड़ रहा है, जिससे वनों की समाप्ति या भूमि की क्षति हो रही है।

भूमण्डलीय पर्यावरण के लिए कुछ प्रयास

भूमण्डलीकरण की वर्तमान प्रक्रिया का उद्देश्य प्रतिस्पर्द्धा के माध्यम से आर्थिक क्षमताओं को बढ़ाना है तथा आर्थिक व सामाजिक विकास के लिए बड़े उद्देश्यों की तलाश करना है। यह मनुष्य की जिन्दगी के हर पहलू आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक तथा पर्यावरणीय पर प्रभाव डालती है। पर्यावरण विध्वंस, सामाजिक विस्थापन, जैव विविधता व संस्कृति का लुप्त होना, भूमण्डलीकरण के परिणाम हैं। 1992 में UNCED ने उल्लेखनीय निर्णय लिए ताकि 21वीं सदी के लिए एक उचित खॉंचा विकसित किया जा सके। जीवन यापन के लिए जैव विविधता के महत्व को जानते हुए 1992 में जैव विविधता के अधिवेशन के लिए एक सभा बुलाई गई और उसमें प्राकृतिक संसाधनों सर्वसत्ताधारी अधिकार को माना गया तथा विश्व पर्यावरणीय सुविधा (GEF) के माध्यम से एक फंड स्थापित करने की सहमति दी गई। भूमण्डलीकरण के संदर्भ में विश्व व्यापार संगठन को भी यह स्पष्ट कर दिया गया कि विश्व व्यापार संगठन का मुख्य उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए विश्व स्तर पर निर्णय लेने व लागू करने का ढांचा तैयार करना है। विश्व व्यापार संगठन के मुख्य कार्यों में सम्मिलित हैं—व्यापार सविदाओं

का प्रशासन करना, व्यापारिक सौदों के लिए सभा स्थल का रख-रखाव करना, व्यापारिक झगड़ों को संभालना, राष्ट्रीय व्यापार नीतियों पर नजर रखना, अल्पविकसित देशों के लिए तकनीकी मदद तथा प्रशिक्षण तथा अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग स्थापित करना। विश्व व्यापार संगठन WTO विश्व व्यापार को चलाने का एक मुख्य संचालक बन चुका है। विश्व पर्यावरण संगठन की उन्नति तथा कार्यकुशलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भूमण्डलीकरण के पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव के विरुद्ध जनता की क्या प्रतिक्रिया होगी।

अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. भूमण्डलीकरण क्या है? पर्यावरण पर भूमण्डलीकरण के क्या प्रभाव हैं?

उत्तर—भूमण्डलीकरण ने विश्व वातावरण को बदल दिया है। भूमण्डलीकरण ने सामाजिक, सांस्कृतिक, प्रौद्योगिक तथा वित्तीय परिभाषाओं को नई दिशा प्रदान की है। भूमण्डलीकरण का पर्यावरण तथा सतत विकास पर कई प्रकार से प्रभाव पड़ा है। इसने आर्थिक वृद्धि तथा सहयोगी संस्थाओं में बढ़ोतरी दोनों ही विश्व वातावरण को लंबे समय तक बनाये रखने के लिए जरूरी हैं। भूमण्डलीकरण ने समानता व न्याय को सोचे बिना ही नाश करने वाली क्रियाओं को अपनाया, जिससे बड़े स्तर पर प्राकृतिक संसाधनों, जिन पर बड़ी संख्या में लोग निर्भर हैं, को क्षति पहुँची। वैश्विक ताप तथा ओजोन परत में कमी गिरावट आना विश्व पर्यावरण में कमी आने का उदाहरण है। बहुत से देशों में एसिड वर्षा तथा समुद्री स्तर में बढ़ोतरी अन्तर्राष्ट्रीय चिन्तन का विषय हैं तथा इसके स्थानीय प्रभाव वायु एवं जल प्रदूषण, मिट्टी की उर्वरता में कमी वनरोपण आदि के रूप में देखे जा सकते हैं। एक तरफ भूमण्डलीकरण ने पर्यावरण पर अपने प्रभाव छोड़े। दूसरी ओर पर्यावरण ने भूमण्डलीकरण की गति, दिशा तथा स्तर को प्रभावित किया। इसका कारण है, पर्यावरण संसाधनों ने आर्थिक भूमण्डलीकरण को ऊर्जा प्रदान की किंतु हमारी सामाजिक तथा आर्थिक नीतियों के कारण निम्न पर्यावरण समस्याओं का सामना करना पड़ा जो कि भूमण्डलीकरण के कारण उत्पन्न हुई। भूमण्डलीकरण ने वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्थाओं को विकास का एक माध्यम प्रदान किया किंतु इसमें अपनायी जाने वाली असतत नीतियों ने हमारे पर्यावरण व प्राकृतिक सम्पदा को खतरे में डाल दिया। प्रतिस्पर्द्धा की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए नई-नई तकनीकों का विकास किया गया किंतु ये तकनीकें कहीं न कहीं हमारे पर्यावरण को खोखला करती रहीं जिसका परिणाम आज हमारे समक्ष विनाश के रूप में आ गया है। केवल पर्यावरण ही नहीं इससे देशों के मध्य की खाई भी और गहरी हो गई है।

प्रश्न 2. पर्यावरणीय मानकों से क्या तात्पर्य है? इनका अल्पविकसित देशों द्वारा विरोध क्यों किया जाता है?

4 / NEERAJ : भूमण्डलीकरण तथा पर्यावरण

उत्तर—पर्यावरणीय मानकों का तात्पर्य से ऐसे नीति निर्देशों से है जो पर्यावरण पर मानवीय क्रियाओं को नियमित करते हैं वास्तव में यह पर्यावरणीय क्रियाओं के स्तर को संतुलित करने का एक माध्यम है। ये मानक इस बात का ध्यान रखते हैं कि सामग्री, उत्पाद व उत्पादन क्रियाओं के नकारात्मक प्रभावों को खत्म या कम किया जा सके। ये पर्यावरणीय सीमाओं का उल्लेख करते हैं जो कि भौतिक व प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग, विकास व संरक्षण की व्याख्या करेगा, जिससे इस बात का विश्वास किया जा सके कि भविष्य में पर्यावरण को क्षति नहीं होगी। अल्पविकसित देशों के नेता व्यापारिक व्यवहार में तथा कार्य की दशाओं में प्रबन्धक समितियों द्वारा बनाये गए निम्न स्तर का विरोध करते हैं तथा इस बात के लिए विवाद करते हैं कि ये नियम उनकी प्रतिस्पर्द्धा करने की ताकत को कमजोर करते हैं जिससे वे बड़े बाजारों विशेषकर यूरोपियन, अमेरिकन बाजारों में कार्य करने में सक्षम नहीं हो पाते। अल्पविकसित देशों की योजनाओं को लागू करने में ज्यादातर परेशानी होती है जो कि विकसित देशों द्वारा बनायी जाती है क्योंकि ये स्तर अधिक सख्त होते हैं, बदलाव बहुत जल्दी होते हैं तथा हमेशा इनके लिए कोई वैज्ञानिक तर्क नहीं होता। पर्यावरणीय नियम के सही व प्रभावशाली होने के लिए अल्पविकसित देशों को इन्हें लागू करने व मानने के लिए कोशिश करनी चाहिए। इन्हें लागू करने की कीमत भी इनकी सबसे बड़ी बाधा है। अल्पविकसित देशों को इन स्तरों को मानने के लिए बाध्य करने में अन्य मुश्किलें ये भी हैं कि इनके पास पर्याप्त कोष नहीं है, प्राथमिक सुविधाओं की कमी है तथा क्रियाओं में पर्याप्त धन नहीं है, ये देश मानकों को बनाने वाले नहीं बल्कि मानकों को मानने वाले हैं।

प्रश्न 3. भूमण्डलीकरण तथा विश्व जलवायु परिवर्तन के मध्य संबंध पर चर्चा करें।

उत्तर—जलवायु परिवर्तन अन्तर्राष्ट्रीय समाजों के सम्मुख एक बड़ी चुनौती है। यह न केवल पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र व सेहत के लिए नुकसानदायक है बल्कि आर्थिक उद्योगों व सामाजिक जीवन के लिए भी हानिकारक है। जलवायु परिवर्तन एक गहन समस्या है, अतः इसका समाधान विश्व स्तर पर संभव बनाने के लिए शोध ज्ञान का वितरण तथा सभी स्तर पर लोगों का सहयोग होना आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन के सबसे अधिक प्रभावों को अल्पविकसित देशों को झेलना पड़ रहा है। मुख्य रूप से दक्षिण के देश जो कि जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित हुए। इसके नकारात्मक परिणाम वैश्विक ताप से सूखा, मरुस्थलीयकरण, प्राकृतिक आपदाएँ, संक्रामक रोग तथा पारिस्थितिकी तंत्र में गिरावट जैसी समस्याओं ने जन्म लिया है। ज्यादातर पर्यावरणीय मुद्दों के लिए एक लम्बे समय की व्यवस्था की जरूरत है। इस समय ऐसी व्यवस्थाओं की आवश्यकता है जो आने वाले भविष्य में इस समस्या का समाधान कर सकें, इसलिए ऐसी सुदृढ़ नीतियाँ बनाने की आवश्यकता है, जो इन समस्याओं से लड़ सकें।

प्रश्न 4. विश्व पर्यावरणीय चुनौतियों तथा विश्व पर्यावरणीय प्रयासों की प्रभावशीलता पर चर्चा करें।

उत्तर—विश्व स्तर पर औद्योगिक समस्याओं तथा सरकारों द्वारा अनेक जटिल पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बढ़ता हुआ औद्योगिकरण, प्राकृतिक संसाधनों का अधिकाधिक उपयोग पृथ्वी के पर्यावरणीय ढाँचे को तहस-नहस कर रहा है। अनेक प्रकार की गैसों के उत्सर्जन से पृथ्वी के मौसम व जलवायु पर असर पड़ रहा है तथा वातावरण में बदलाव आ रहे हैं जिसके कारण तनाव व स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। पर्यावरण में असतत क्रियाओं के कारण उत्पन्न गम्भीर समस्याओं का सामना विकसित व अल्पविकसित देशों को करना पड़ रहा है। संयुक्त देशों ने उत्तर-दक्षिण देशों तथा औद्योगिक संस्थानों के लिए इस संदर्भ में निर्देश जारी किये क्योंकि अब यह स्पष्ट रूप से महसूस व स्वीकार कर लिया गया है कि पर्यावरणीय मुद्दे सामाजिक/सांस्कृतिक तथा सामाजिक-आर्थिक विषयों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। वास्तव में सामाजिक तथा सांस्कृतिक विषय काफी पीछे छूट गए हैं। आज उद्योग तथा सरकार पर्यावरणीय मुद्दों पर जटिल निर्णय ले रहे हैं तथापि उद्योगों को अनुकूल अर्थव्यवस्था में संतुलन बनाए रखने के लिए बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वैश्विक ताप तथा ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन के प्रभावों से विश्व के चारों तरफ एक प्रबल ढाँचा बन गया है। 1992 में इन समस्याओं से जूझने के लिए UNCED द्वारा प्रशसनीय निर्णय लिए, जिससे आने वाले समय के लिए एक साफ-सुथरा पर्यावरण तैयार किया जा सकेगा। विश्व व्यापार संगठन जिसकी स्थापना भूमण्डलीकरण के संदर्भ में की गई। इसका उद्देश्य विश्व व्यापार को सही प्रकार से संचालित करना है तथा इस बात की देख-रेख करना है कि इनकी क्रियाएँ किसी प्रकार से पर्यावरण को हानि न पहुँचाये। इसके लिए विश्व व्यापार संगठन के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के संदर्भ में बहुत से नियम तय किये गए हैं जिसे हर देश को स्वीकार करना होगा।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

प्रश्न 1. ऐसे दो कदमों के विषय में लिखें जो किसी भी अर्थव्यवस्था को भूमण्डलीकरण के लिए उठाने होंगे।

उत्तर—भूमण्डलीकरण का अर्थव्यवस्था तथा पर्यावरण पर एक प्रभावशाली असर पड़ा है। वास्तव में भूमण्डलीकरण ने सभी अर्थव्यवस्थाओं का एकीकरण विश्व अर्थव्यवस्था के साथ कर दिया है। भूमण्डलीकरण ने अर्थव्यवस्था में व्यापार, तकनीकी तथा वित्तीय व्यवस्था की परिभाषा को बदलकर रख दिया है। भूमण्डलीकरण ने पर्यावरण के ऐसे आयाम को प्राप्त किया है जिसने पिछले कुछ दशकों में ख्याति प्राप्त की है। भूमण्डलीकरण ने न केवल अर्थव्यवस्थाओं को विश्व के साथ जोड़ा है बल्कि प्रतिस्पर्द्धा के माध्यम से विकास की गति को भी तीव्र बनाया है।